बर्दवान
आसनसोल
दुर्गापुर
रानीगंज

शिल्पांचल
卐 ।। श्री हरिः ।। 卐
सन्मार्ग
नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

बंगाल से प्रकाशित पूर्वी भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक
बुध वार
बंगाल
1 नवम्बर, 2017
कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी 12, विक्रम संवत् 2074
वर्ष 72, अंक 205, पूर्णांक 24961
मूल्य 4.00 रु., कुल पेज 16
www.sanmarg.in

डकैती का आरोपी गिरफ्तार : ट्रेन में डकैती डालने की साजिश रचकर मौके से फरार हुए एक अभियुक्त अर्जुन मल्लिक को आसनसोल जीआरपी पुलिस के जवानों ने गिरफ्तार कर उसे मंगलवार को आसनसोल अदालत में पेश किया। वहीं अदालत ने अभियुक्त की जमानत अर्जी को निरस्त कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का निर्देश दिया।

आसनसोल

शपथ ग्रहण : आसनसोल मंडल रेल प्रबंधक पीके मिश्रा ने मंगलवार सुबह कार्यालय परिसर में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। यह शपथ राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को बनाये रखने हेतु ली गई। रेसुब जवानों ने इस शपथ ग्रहण समारोह में औपचारिक परेड की प्रस्तुति दी।

कराटे में डीपीएस आसनसोल की अन्विता रही अव्वल

आसनसोल : रविवार 29 अक्तूबर को युवा भारती संघ, हर्षवर्द्धन रोड, दुर्गापुर में 19वीं केबी आई. वेस्ट बंगाल ओपन स्टेट कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 20 जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल की नवीं कक्षा की छात्रा अन्विता चटर्जी ने 13 से 15 आयु वर्ग की कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अन्विता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 'काटा' तथा 'कुमिते' प्रतियोगिताओं में अपने प्रतिद्वंदियों पर अपनी श्रेष्ठता साबित करके राज्य में क्रमशः प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया है जहां 'काटा' में अपने 18 प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ अन्विता ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने अभिभावकों, विद्यालय तथा शहर को गौरवान्वित किया वहीं 'कुमिते' में 14 प्रतिभागियों को कड़ी टक्कर दे द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रधानाचार्य आरडी शर्मा ने छात्र को गोल्ड तथा सिल्वर मैडल व प्रमाण – पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कठिन व क्रमागत प्रयास, दृढ़ निश्चय, लगन और एकाग्रता जीवन में सफलता प्राप्त करने के मूलमंत्र हैं। शिक्षा के साथ जीवन में खेल-कूद का भी विशिष्ट स्थान है, अपनी इस प्रतिभा को पहचानें और उचित मार्ग-दर्शन में जीवन-पथ पर बढ़ते हुए स्वयं को श्रेष्ठतर साबित करें।